



INDIAN SCHOOL SOHAR
PERIODIC TEST- 2 (2017-18)

Set-1

SUBJECT-HINDI

No of printed pages: 2

DATE: 09 .01.18

MAX MARKS: 20

STD : VIII

TIME: 40 Minutes

सामान्य निर्देश : 1 सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। 2 प्रत्येक उत्तर का क्रमांक अवश्य लिखें।

प्रश्न 1 नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

[5]

विद्यार्थी जीवन ही वह समय है, जिसमें बच्चों के चरित्र, व्यवहार तथा आचरण को जैसा चाहे वैसा रूप दिया जा सकता है। यह अवस्था भावी वृक्ष की उस कोमल शाखा की भाँति है, जिसे जिधर चाहे मोड़ा जा सकता है। पूर्णतः विकसित वृक्ष की शाखाओं को मोड़ना संभव नहीं। उन्हें मोड़ने का प्रयास करने पर वे टूट तो सकती हैं, पर मुड़ नहीं सकतीं। छात्रावस्था उस श्वेत चादर की तरह होती है, जिसमें जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है। सफ़ेद चादर पर एक बार जो रंग चढ़ गया, सो चढ़ गया; फिर से वह पूर्वावस्था को प्राप्त नहीं हो सकती। इसीलिए प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को स्वीकार किया गया है। इसी अवस्था में सुसंस्कार और सद्वृत्तियाँ पोषित की जा सकती हैं। इसलिए प्राचीन समय में बालक को घर से दूर गुरुकुल में रहकर कठोर अनुशासन का पालन करना होता था।

- (क) विद्यार्थी जीवन कैसा समय है ?
(ख) छात्रावस्था को सफ़ेद चादर के समान क्यों बताया गया है ?
(ग) 'कोमल' शब्द का विलोम लिखिए।
(घ) प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को क्यों स्वीकार किया गया है ?
(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

P.T.O.



INDIAN SCHOOL SOHAR
PERIODIC TEST- 2 (2017-18)

Set-2

SUBJECT-HINDI

No of printed pages: 2

DATE: 09 .01.18

MAX MARKS: 20

STD : VIII

TIME: 40 Minutes

सामान्य निर्देश : 1 सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। 2 प्रत्येक उत्तर का क्रमांक अवश्य लिखें।

प्रश्न 1 नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

[5]

विद्यार्थी जीवन ही वह समय है, जिसमें बच्चों के चरित्र, व्यवहार तथा आचरण को जैसा चाहे वैसा रूप दिया जा सकता है। यह अवस्था भावी वृक्ष की उस कोमल शाखा की भाँति है, जिसे जिधर चाहे मोड़ा जा सकता है। पूर्णतः विकसित वृक्ष की शाखाओं को मोड़ना संभव नहीं। उन्हें मोड़ने का प्रयास करने पर वे टूट तो सकती हैं, पर मुड़ नहीं सकतीं। छात्रावस्था उस श्वेत चादर की तरह होती है, जिसमें जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है। सफ़ेद चादर पर एक बार जो रंग चढ़ गया, सो चढ़ गया; फिर से वह पूर्वावस्था को प्राप्त नहीं हो सकती। इसीलिए प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को स्वीकार किया गया है। इसी अवस्था में सुसंस्कार और सद्वृत्तियाँ पोषित की जा सकती हैं। इसलिए प्राचीन समय में बालक को घर से दूर गुरुकुल में रहकर कठोर अनुशासन का पालन करना होता था।

- (क) छात्रावस्था को सफ़ेद चादर के समान क्यों बताया गया है ?
(ख) विद्यार्थी जीवन कैसा समय है ?
(ग) 'संभव' शब्द का विलोम लिखिए।
(घ) प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को क्यों स्वीकार किया गया है ?
(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

P.T.O.

- प्रश्न 2 निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए। [1]
परि + आवरण , भानु + उदय
- प्रश्न 3 रेखांकित पदों के कारक-भेद लिखिए। [2]
(क) सविता की बहन गायिका है। (ख) ट्रेन स्टेशन से चली गई।
- प्रश्न 4 निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य-भेद लिखिए। [2]
(क) महेश से लिखा नहीं जाता (ख) दिव्या ने चित्र बनाया।
- प्रश्न 5 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। [2]
फरमान , बटालियन , पगा , तरकारी
- प्रश्न 6 निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए। [2]
(क) खुशहाली (ख) कामचोर
- प्रश्न 7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [6]
(क) कामचोर कहानी क्या संदेश देती है?
(ख) साइकिल चलाना सीखने में कौन -कौन- सी महिलाएँ आगे आई ?
(ग) पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली?

- प्रश्न 2 निम्नलिखित शब्दों में संधि -विच्छेद कीजिए। [1]
हरीश , वीरोचित
- प्रश्न 3 रेखांकित पदों के कारक-भेद लिखिए। [2]
(क) सोहन की पुस्तक खो गई है। (ख) पिताजी कार से दफ्तर जाते हैं।
- प्रश्न 4 निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य-भेद लिखिए। [2]
(क) राजीव द्वारा चित्र बनाया गया। (ख) पुलिस ने चोर को पकड़ा।
- प्रश्न 5 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। [2]
खिताब , यकीन , पुलकनि , तरकारी
- प्रश्न 6 निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए। [2]
(क) आंदोलन (ख) घमासान
- प्रश्न 7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [6]
(क) बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई ?
(ख) साइकिल चलाना सीखने में कौन -कौन- सी महिलाएँ आगे आई ?
(ग) सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई?